सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, मंगलवार, 18 नवंबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 307, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

वो दौर खत्म, जब पीड़ित तड़पता था, अब अपराधी बच नहीं सकतेः सीएम योगी

» Pg12

इनसाइड डॉ.शाहीन का स्लीपर सेल नेटवर्क आया सामने 19... » Pg02

आत्मघाती हमलों पर आतंकी का बेतुका तर्क

इस्लाम में सुसाइड बॉम्बिंग जायज, शहादत का कैंपेन!

वीडियो में की आतंकवाद की वकालत, अंग्रेजी में तकरीर, धमाके से पहले का आतंकी उमर का वीडियो आया सामने

» चार दिन पहले गिरफ्तार किए गए दानिश को ड्रोन हथियान बनाने का है अनुभव।

» नई दिल्ली, एजेंसी।

देश की राजधानी दिल्ली को दहलाने की फिराक में रहे आतंकी डॉक्टर उमर मोहम्मद नबी का एक नया वीडियो सामने आया है, जिसने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। इस वीडियो में उमर अंग्रेजी में तकरीर करता हुआ दिखाई दे रहा है और आत्मघाती बमबारी को जायज ठहरा रहा है। वीडियो में उमर अकेला नजर आ रहा है और उसने एक कमरे में बैठकर यह वीडियो रिकॉर्ड किया है।

इस वीडियो में वह आत्मघाती हमले को लेकर बात कर रहा है। वह वीडियो में कहता है, लोगों की सबसे बड़ी गलती यह है कि वह ये बात समझ नहीं पाते हैं कि फिदायीन हमला क्या है। यह किसी भी तरह से लोकतांत्रिक नहीं है, न ही किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार किया जा सकता है। इसके विरोधाभास और विरोध में कई तर्क मौजूद हैं। फिदायीन हमलों की सबसे बड़ी समस्य यह है कि जब कोई व्यक्ति मान लेता है कि वह एक तय समय पर जरूर मरेगा तो यह बेहद खतरनाक स्थिति है। वह खुद को ऐसी जगह खड़ा कर देता है। जहां से उसे लगता है कि मौत ही अंतिम मंजिल है, लेकिन यह सच है कि ऐसी सोच या ऐसी परिस्थितियां किभी भी मानवीय व्यवस्था में स्वीकार नहीं की जा सकती है, क्योंकि यह जीवन, समाज और कानून के बुनियादी सिद्धांतों के खिलाफ है। यह वीडियो यहीं तक है, इसलिए उमर के आगे के विचार के बारे में अनुमान लगा पाना फिलहाल बेहद मुश्किल है। बता दें कि दिल्ली ब्लास्ट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 15 लोगों की मौत हो चुकी है।

लाल किला ब्लास्ट के आरोपी की आज पेशी

सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि लाल किला कार बम कांड में गिरफ्तार दूसरे आरोपी की आज ही पटियाला हाउस कोर्ट में पेशी हुई है। ठीक उसी दौरान यह धमकी मिली, जिससे सुरक्षा एजेंसियों की चिंता और बढ़ गई है।

हमास की तरह ड्रोन हमले की भी कर रहे थे प्लानिंग

व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल से जुड़े आतंकी हमास के स्टाइल में रॉकेट और ड्रोन से हमले की प्लानिंग कर रहे थे। एनआईए की पूछताछ में आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर उन नबी के एक और साथी, जसीर बिलाल वानी उर्फ दानिश ने इस बात का खुलासा किया है। दानिस को एनआईए ने चार दिन पहले श्रीनगर से गिरफ्तार किया था। वह जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के काजीगुंड का रहने वाला है।

एनआईए ने कहा कि दानिश को छोटे ड्रोन हथियार बनाने का अनुभव है। उनके आतंकी हमलों को अंजाम देने के लिए डॉ. उमर को तकनीकी मदद दी। वह हमले की साजिश में सक्रिय रूप से शामिल था। वह ड्रोन को मॉडिफाई करके आतंकी हमलों के लिए तकनीकी मदद कर रहा था और रॉकेट बनाने की कोशिश भी कर रहा था।

श्रीनगर, बडगाम और कुलगाम में ताबड़तोड़ रेड, रोज हो रहे नए खुलासे

दिल्ली ब्लास्ट के बाद सुरक्षा एजेंसियां ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही है। इस मामले में रोज नए खुलासे हो रहे हैं। आज जम्मू-कश्मीर पुलिस ने व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल के मामले में श्रीनगर, बडगाम और कुलगाम में कई ठिकानों पर छापेमारी की।

मीडिया रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि इस मॉड्यूल से जुड़े होने के शक में स्क्स॥ में तैनात हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. उमर फारूक के आवास पर तलाशी ली। काउंटर इंटेलिजेंस सर्विसेज के जवानों ने सुबह-सुबह डॉक्टर के घर की तलाशी लगी। बताया जा रहा है कि छापेमारी के दौरान डॉ उमर फारूक घर पर मौजूद नहीं थे। पुलिस ने अभी तक यह भी नहीं बताया है कि तलाशी के दौरान उनके घर से कुछ जब्त किया गया है कि नहीं। अधिकारियों ने अभी तक इस अभियान के बारे में कोई बयान जारी नहीं किया है।

दिल्ली के दो सीआरपीएफ स्कूल, चार अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी

दिल्ली में आतंक का एक नया साया मंडराने लगा है। आज सुबह दिल्ली की तीन प्रमुख अदालतों साकेत कोर्ट, रोहिणी कोर्ट और पटियाला हाउस कोर्ट और दो ष्ट्रक्क्र स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी भरा ईमेल जैश-ए-मोहम्मद के नाम से भेजा गया है। खबर मिलते ही दिल्ली पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर आ गई हैं। तीनों कोर्ट परिसरों में तुरंत बम स्क्वॉड, डॉग स्क्वॉड और भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। साकेत कोर्ट परिसर को पूरी तरह खाली करा लिया गया है। कम से कम दो घंटे तक सभी कोर्ट कार्यवाहियां स्थगित कर दी गई हैं। बम स्क्वॉड ने पूरे परिसर की गहन तलाशी ली। सूत्रों के मुताबिक लंच के बाद ही कोर्ट फिर से खुलेगा। रोहिणी और पटियाला हाउस कोर्ट में भी इसी तरह की सघन चेकिंग चल रही है।

मारा गया एक करोड़ का इनामी नक्सली हिडमा

पत्नी और छह नक्सलियों के शव बरामद

» सुकमा (छत्तीसगढ़), एजेंसी।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खात्मे के लिए राज्य पुलिस और सुरक्षा बलों के जवानों का एंटी नक्सल ऑपरेशन जारी है। मंगलवार की सुबह छह से सात बजे के करीब छत्तीसगढ़-आंध्र प्रदेश सीमा पर हुई मुठभेड़ में खूंखार नक्सली माड़वी हिडमा मारा गया। आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीतारामराजू जिले के मारेदुमिल्ली के पास सुबह-सुबह हुई मुठभेड़ में हिडमा समेत कुल छह नक्सली मारे गये। इस मुठभेड़ में उसकी पत्नी राजे उर्फ रजक्का भी ढेर हो गई। गृह मंत्री अमित शाह ने इस अभियान में शामिल सभी अधिकारियों और जवानों की सराहना की।

एक करोड़ का इनामी कुख्यात नक्सली माड़वी हिडमा, जो सुरक्षा बलों पर सशस्त्र हमलों के कई मामलों में वांछित शीर्ष नक्सली कैडरों में से एक था। उसके मारे जाने की पुष्टि के बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शीर्ष अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। सूत्रों के अनुसार, हिडमा का खात्मा सुरक्षा बलों की ओर से तय 30 नवंबर 2025 की समय सीमा से काफी पहले हो गया।

गृह मंत्री अमित शाह ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर संतोष व्यक्त किया और इस अभियान में शामिल सभी अधिकारियों और जवानों की सराहना की। उन्होंने शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक कर आगे की रणनीति पर भी चर्चा की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि मांदवी हिडमा के मारे जाने के बाद नक्सली संगठन में कोई नई नेतृत्व उभर न सके और उनकी गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा सके।

हिडमा का नाम लंबे समय से नक्सली हिंसा से जुड़ा रहा है। वह सुरक्षा बलों पर हुए कई बड़े और घातक हमलों के पीछे मास्टरमाइंड माना जाता था। उसकी गिरफ्तारी या निष्प्रभावीकरण सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक प्रमुख लक्ष्य था।

सुरक्षा बलों ने एक जटिल और चुनौतीपूर्ण अभियान के तहत हिडमा को निष्प्रभावी करने में सफलता प्राप्त की है। यह सफलता न केवल खुफिया जानकारी के प्रभावी उपयोग का प्रमाण है, बल्कि जमीनी स्तर पर तैनात जवानों के साहस और दृढ़ संकल्प का भी परिणाम है।

डॉ.शाहीन का स्लीपर सेल नेटवर्क आया सामने 19 महिलाओं के मोबाइल एक साथ स्विच ऑफ

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। दिल्ली विस्फोट मामले में गिरफ्तार डॉ. शाहीन सईद के कानपुर कनेक्शन ने जांच एजेंसियों को चौंका दिया है। खुलासा हुआ है कि शाहीन ने शहर में अपना महिला विंग तैयार कर रखा था, जिसमें 19 से ज्यादा महिलाएं शामिल थीं। जांच टीम ने जब इन सभी के मोबाइल नंबर खंगाले तो वे एक साथ स्विच ऑफ मिले।

अंतिम लोकेशन फतेहपुर, कन्नौज और उन्नाव में ट्रेस हुई है, जिससे शक और गहरा हो गया है। एजेंसियों के अनुसार शाहीन इन महिलाओं को धार्मिक कट्टरता के नाम पर ब्रेनवॉश करके अपने नेटवर्क में शामिल करती थी। वह इज्तिमा और अन्य धार्मिक आयोजनों में सक्रिय रहती थी तथा बेकनगंज, जाजमऊ, चकेरी और रावतपुर जैसे क्षेत्रों में उसका लगातार मूवमेंट था। शक है कि इन महिलाओं का इस्तेमाल रेकी और प्रोपेगेंडा फैलाने में हो रहा था। कुछ संदिग्ध महिलाओं के फुटेज भी एजेंसियों को मिले हैं, जिनके आधार पर तलाशी अभियान जारी है।

» दिल्ली ब्लास्ट कनेक्शन में बड़ा खुलासा, ब्रेनवॉश कर महिलाओं को नेटवर्क से जोड़ रही थी डॉ. शाहीन

» एनआईए व एटीएस की गोपनीय जांच तेज, फतेहपुर, कन्नौज, उन्नाव में बंद मिले मोबाइल किए गए ट्रेस

हमले में कानपुर से जारी सिम कार्ड

शाहीन की गिरफ्तारी के कुछ घंटों बाद ही उसकी महिला विंग के नंबर एक-एक कर बंद हो गए। आशंका है कि सभी ने अपने पुराने सिम कार्ड बंद कर नए नंबर ले लिए। इसी आधार पर खुफिया एजेंसियों ने 10 नवंबर के बाद खरीदे गए सिम कार्डों की डिटेल कंपनियों से मांगी है ताकि संदिग्धों तक पहुंचा जा सके ।कानपुर में पिछले दो दिनों में एटीएस ने पांच लोकेशन पर गोपनीय छापेमारी की, लेकिन कोई बड़ा संदिग्ध हाथ नहीं आया। इसी दौरान दिल्ली विस्फोट में एक और खुलासा हुआ हमले में कानपुर से जारी सिम कार्ड का उपयोग हुआ था। उमर द्वारा इस्तेमाल सिम की कॉल डिटेल में कई संदिग्ध नंबर मिले हैं जो अब बंद पाए गए हैं। एजेंसियां इस बात की भी पड़ताल कर रही हैं कि हमले में इस्तेमाल सिम बेकनगंज से खरीदे गए थे। जांच आगे बढ़ रही है, लेकिन शाहीन के नेटवर्क की परतें लगातार नई चुनौतियों के साथ खुल रही हैं।

थानाध्यक्ष ने कहा जानकारी नहीं

उक्त गंभीर विषय को लेकर जब थाना अध्यक्ष बेकनगंज से बात की गई तो उनका कहना था कि दिल्ली धमाके की जांच उच्चस्तर पर की जा रही है। उन्हें इसके विषय में उन्हें कोई भी जानकारी नहीं है।

8 करोड़ की ब्लैकमेल क्वीन,12 दूल्हों को फंसाया

» बैंक मैनेजर से लेकर दरोगा तक 4 शादियां की, हर बार रेप केस की धमकी पर किया ब्लैकमेल

» ग्वालटोली के दरोगा की शिकायत ने खोला खेल, पुलिसकर्मियों की भी मिलीभगत सामने आई

» प्रमुख संवाददाता /स्वराज इंडिया

कानपुर। पुलिस ने सोमवार को उस लुटेरी दुल्हन को गिरफ्तार कर लिया जिसने शादी को ही करोड़ों की ब्लैकमेलिंग का धंधा बना दिया था। यह कारनामा करने वाली दिव्यांशी चौधरी के खातों में 8 करोड़ से ज्यादा का ट्रांजैक्शन मिला। जिसने 12 से अधिक लोगों को अपने जाल में फंसाया, जिनमें 2 बैंक मैनेजर और 2 दरोगा भी शामिल हैं। दिव्यांशी पहले प्यार का झांसा देती, फिर संबंध बनाती और उसके बाद फर्जी रेप केस दर्ज कराकर लाखों की उगाही करती। मेरठ में तैनात दो बैंक मैनेजरों से शादी करके उन पर रेप का केस किया, लेकिन कोर्ट में उसके बयान पलटने से दोनों मामले कमजोर पड़ गए।

इसके बाद उसने एक दरोगा और फिर दूसरे दरोगा से शादी रचाई और दोनों पर रेप केस कर करोड़ों की मांग की।

कानपुर के ग्वालटोली थाने में तैनात दरोगा आदित्य कुमार लोचव ने

इस गैंग का सबसे बड़ा पर्दाफाश किया। वह 2019 बैच के अधिकारी हैं और अपने परिवारिक रिश्तेदार की मध्यस्थता से उन्होंने फरवरी 2024 में दिव्यांशी से शादी की थी। शादी के कुछ ही दिनों में दिव्यांशी घर में नहीं रुकती,

मोबाइल से यूपीआई एप हटाती और ड्यूटी पर रहते समय आदित्य से पैसे मांगती थी। सब्र का बांध तब टूटा जब आदित्य ने उसका फोन चेक किया 10 से ज्यादा खातों से करोड़ों का ट्रांजैक्शन दिखा। सवाल पूछने पर दिव्यांशी झगड़ा कर मायके चली गई।

25 नवंबर को दिव्यांशी ने पुलिस कमिश्नर ऑफिस में हंगामा किया और आदित्य पर 14.50 लाख रुपयों की हड़प व महिलाओं से अवैध संबंधों के आरोप लगाए। जांच बैठी, लेकिन जल्द ही सामने आया कि दिव्यांशी खुद एक बड़े ब्लैकमेलिंग रैकेट को ऑपरेट कर रही है। दरोगा आदित्य ने पुलिस कमिश्नर को सैकड़ों साक्ष्य सौंपे बैंक स्टेटमेंट, कॉल रिकॉर्ड, चैट्स जिससे पता चला कि दिव्यांशी के गैंग में कई पुलिसकर्मी तक शामिल हैं। मेरठ के पुलिस अधिकारियों के खातों में भी भारी-भरकम रकम पहुंची थी।

दिव्यांशी समझौते के लिए एक करोड़ रुपए मांग रही थी। दिव्यांशी ने अब तक 3 सरकारी कर्मचारियों पर रेप केस कर करोड़ों ऐंठे। कई मामलों में समझौता हुआ और कई में एफआईआर फर्जी साबित हो चुकी है। कानपुर पुलिस अब दिव्यांशी और उसके नेटवर्क की वित्तीय जांच कर रही है। पुलिसकर्मियों की मिलीभगत भी सामने आने से सिस्टम में हडकंप मचा हुआ है।

हनी ट्रैप में फंसा कर 50 हजार रुपए वसूले

» स्वराज इंडिया न्यूज

कानपुर। चकेरी थाना क्षेत्र के रहने वाले मुन्नी बानो ने पुलिस कमिश्नर से मिलकर काजल नाम की महिला के खिलाफ शिकायती पत्र दिया है। पत्र में कहा गया है कि देते हुए बताया कि मेरा बेटा आकिब मीट की दुकान चलाता हैं मीट की दुकान पर काजल नाम की महिला मीट लेने आया करती थी। इसी दरमियान महिला ने मेरे बेटे का फोन नंबर ले लिया और वीडियो कॉलिंग कर उसको अपनी अश्लील वीडियो दिखाने लगी। इसी बात को आधार बना करके महिला के द्वारा अपनी बहन नाजिया खातून के अकाउंट में लगभग पचास हजार रुपए की अवैध वसूली की गई। अवैध वसूली के सबूत ऑनलाइन बैंकिंग ट्रांजैक्शन के तौर पर है। पीड़िता ने बताया कि उक्त महिला इससे पहले दो बार शादी कर चुकी है और दो बच्चे भी हैं और अब मेरे बेटे से जबरन शादी करने का दबाव बना रही है। मना करने पर महिला द्वारा परिवार सहित जान से मारने की धमकी और फर्जी मुकदमे में फंसा कर जेल भेजने की कोशिश की जा रही है।

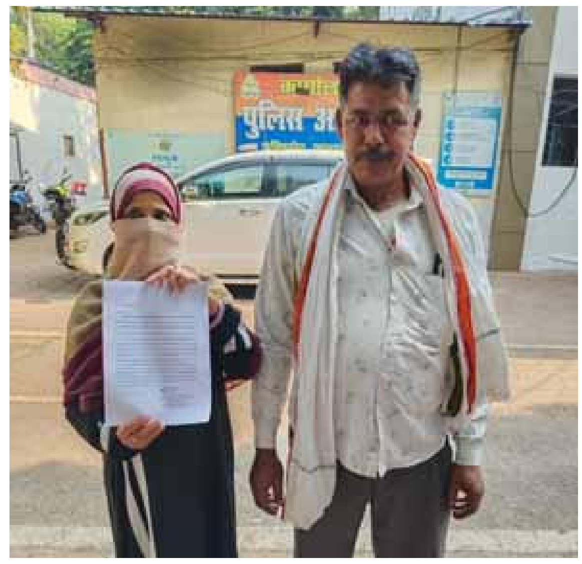

सीएम ग्रिड योजना के कामों में तेजी लाने के निर्देशः नगर आयुक्त

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

शहर में अरबों रुपयों से चल रहे सीएम ग्रिड योजना के प्रोजेक्ट

कानपुर सीएम ग्रिड योजना के तहत शहर की प्रमुख सड़कों पर चल रहे निर्माण कार्यों की धीमी रफ्तार और अव्यवस्थाओं को देखकर नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने फील्ड में उतरकर सख्ती दिखाई। फेज-1 और फेज-2 के व्यापक निरीक्षण में उन्हें कई खामियां मिलीं, जिस पर उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों को फटकार लगाते हुए तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए।

राजाराम चौराहे पर निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने ग्रीन लाइट लगाने में तेजी लाने तथा धूल नियंत्रण के लिए पानी छिड़काव बढ़ाने को कहा।

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने साफ कहा कि सीएम ग्रिड योजना शहर की जीवनरेखा है, ऐसे में गुणवत्ता और समयबद्धता पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर किसी भी स्तर पर लापरवाही पाई गई तो कार्रवाई तय है।

शहरवासियों को जल्द ही बेहतर और सुरक्षित सड़कें उपलब्ध कराने के लिए नगर निगम अब पूरी सख्ती के साथ मैदान में उतर चुका है।

» निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने कहा कि ढिलाई बर्दाश्त नहीं

फेज-2- मलबा जमा मिला, सीवर कार्य पर दिखी सुस्ती

ग्वालिन तिराहा-जी.टी. रोड मार्ग का निरीक्षण करते हुए आयुक्त ने देखा कि सीवर लाइन का काम प्रगति पर तो है, लेकिन सड़क किनारे बिखरा मलबा यातायात में बाधा बन रहा है। उन्होंने निर्देश दिए कि मलबा तुरंत हटाया जाए, नियमित पानी छिड़काव हो,ग्रीन-व्हाइट मार्किंग की जाए, और यातायात प्रभावित न हो इसलिए कार्य रात में भी कराया जाए। उन्होंने एल-सेक्शन और एलिवेशन की तकनीकी समीक्षा करते हुए अधिकारियों से प्रगति का साफ-साफ हिसाब मांगा।

फेज-1- निर्माण कार्यों में गुणवत्ता को दें प्राथमिकता

अलंकार गेस्ट हाउस से सोटे बाबा मंदिर होते हुए साउथ एक्स मॉल तक निरीक्षण में आयुक्त ने स्मॉल वॉटर लाइन, इलेक्ट्रिक डक्ट, सीवर लाइन और फुटपाथ निर्माण में सुस्ती देखी।

उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि—सभी कार्यों की रफ्तार बढ़ाई जाए, ग्रीनमैट और पानी छिड़काव अनिवार्य रूप से हो,और रात में भी कार्य जारी रखा जाए ताकि

नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

गुणवत्ता जांच के दौरान उन्होंने कई बिंदुओं पर अधिकारियों को आवश्यक सुधार के निर्देश भी दिए।

बिकरू कांडः आरोपी से कोर्ट में 37 सवाल, अगली तारीख 27 नवंबर

» बिकरू मुठभेड़ में शामिल दयाशंकर पर मुठभेड़ से लेकर हथियार मिलने तक के सवाल

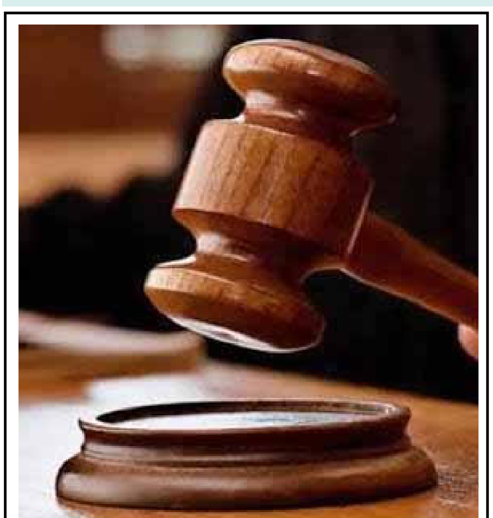

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। बिकरू कांड से जुड़े हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट के मामले में अपर जिला जज-11 सुभाष सिंह की कोर्ट में बड़ी कार्यवाही हुई। गैंगस्टर विकास दुबे के करीबी और 25 हजार के इनामी दयाशंकर अग्निहोत्री से अभियोजन पक्ष ने गवाही के आधार पर 37 सवाल पूछे। अभियुक्त ने इनके जवाब देने के लिए कोर्ट से समय मांगा, जिसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया है।

दो जुलाई 2020 की रात हुए बिकरू नरसंहार में दयाशंकर ने विकास दुबे के साथ पुलिस टीम पर हमला किया था, जिसमें आठ पुलिसकर्मी शहीद हुए थे। घटना के बाद फरार दयाशंकर पांच जुलाई 2020 को कल्याणपुर पुलिस से शिवली रोड स्थित जवाहरपुरम मोड़ पर मुठभेड़ में पकड़ा गया था।

उसके पैर में गोली लगी थी और पुलिस ने उससे एक तमंचा, दो जिंदा व दो खोखा कारतूस बरामद किए थे। इसी मामले में अभियोजन की ओर से गवाही पूरी हो चुकी है।सोमवार को अभियोजन के सवालों का जवाब देने के बजाय दयाशंकर ने सफाई साक्ष्य के लिए समय मांगा। कोर्ट ने इसे स्वीकार करते हुए अगली सुनवाई की तारीख 27 नवंबर तय की है। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता भास्कर मिश्रा ने बताया कि अगली तारीख पर दयाशंकर अपना पक्ष प्रस्तुत करेगा।

दिल्ली ब्लास्ट के नाम पर बुजुर्ग महिला को किया डिजिटल अरेस्ट, उड़ाए 6.66 लाख

» साइबर ठगों ने एटीएस चीफ बनकर किया वीडियो कॉल, गिरफ्तारी लेटर भेज कर डराया

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। दिल्ली विस्फोट के तुरंत बाद साइबर ठगों ने आतंक का फायदा उठाते हुए कानपुर में एक 62 वर्षीय बुजुर्ग महिला को डिजिटल अरेस्ट कर 6.66 लाख रुपये ठग लिए। महिला ने सोमवार को साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद साइबर सेल और क्राइम ब्रांच ने जांच शुरू कर दी है। शहर में इस तरह की आधा दर्जन से अधिक घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

बिरहाना रोड के पटकापुर निवासी महिला ने बताया कि पति का निधन हो चुका है, बेटा नौकरी के सिलसिले में बाहर रहता है और बेटी विवाहित है। 10 नवंबर की रात 8:22 बजे उन्हें एक कॉल आया, जिसमें कॉलर ने खुद को एटीएस चीफ प्रेम कुमार गौतम बताया। कॉलर ने कहा कि आपका आधार कार्ड मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकी गतिविधियों में इस्तेमाल हुआ है। इसके बाद उसे डरा-धमकाकर वीडियो कॉल पर कर लिया गया और डिजिटल अरेस्ट कर दिया। थोड़ी देर बाद महिला को एक फर्जी गिरफ्तारी लेटर भेजा गया, जिसे देखकर वह दहशत में आ गई और रुपए ट्रांसफर करने को राजी हो गई।11 नवंबर की सुबह 6:46 बजे सदानंद दादे नाम के व्यक्ति ने वीडियो कॉल कर खुद को एटीएस अफसर बताया। उसने कहा कि तुरंत पैसे ट्रांसफर करो, नहीं तो फौरन अरेस्ट करना पड़ेगा। डरी हुई महिला ने अपने पीएनबी माल रोड वाले खाते से आईडीएफसी बैंक सहारनपुर-अंबाला रोड स्थित महक फाउंडेशन के खाते में 6.66 लाख रुपये आरटीजीएस कर दिए। साइबर ठग यहीं नहीं रुके उन्होंने और पैसे की मांग शुरू कर दी। तब महिला को धोखाधड़ी का अहसास हुआ और उन्होंने तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई।महिला ने साइबर सेल को बैंक डिटेल, व्हाट्सएप चैट, वीडियो कॉल स्क्रीनशॉट, गिरफ्तारी लेटर और अन्य दस्तावेज दिए हैं। खबर लिखे जाने तक मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया जारी थी। डीसीपी क्राइम अतुल श्रीवास्तव ने बताया कि दिल्ली विस्फोट में नाम आने की धमकी देकर महिला से 6.66 लाख रुपये हड़पे गए। जिन खातों में पैसा गया है, उनकी जांच की जा रही है। इस तरह के कई मामले शहर में सामने आ चुके हैं।

ड्राइवर के लहराकर चलाने से एक्सप्रेस वे पर हुआ भीषण हादसा, सवारियों को किया अनसुना

दिल्ली से सिवान जा रही डबल डेकर पलटी, तीन की मौत, दो दर्जन घायल

दो की हालत नाजुक आईसीयू में भर्ती, हादसे के बाद मौका देख भाग निकला बस चालक

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस वे पर शनिवार तड़के उस वक्त हड़कंप मच गया, जब दिल्ली से सिवान जा रही एक डबल डेकर बस बिल्हौर सर्किल के अरौल थाना क्षेत्र में माइल 216 पर अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसा इतना भीषण था कि 7 साल के मासूम समेत तीन यात्रियों की मौत हो गई, जबकि करीब दो दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। बस में कुल 45 यात्री सवार थे। घायलों में से दो की स्थिति गंभीर है, जिन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया है।

बस में यात्रा कर रहे एक घायल यात्री ने स्वराज इंडिया को बताया कि सफर के दौरान ड्राइवर लगातार बस को लहरा कर चला रहा था। यात्री ने भी दावा किया है कि बस चालक के हाव भाव और बस चलाने के तरीके से ऐसा लग रहा था जैसे वो ड्रिंक किए हो। कई यात्रियों ने उसे डांटते हुए धीरे और संभलकर बस चलाने को कहा, लेकिन उसने किसी की बात नहीं सुनी। तेज़ रफ़्तार में अचानक एक ज़ोरदार झटका लगा और कुछ ही सेकंड में बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। रात का सन्नाटा चीख़-पुकार में तब्दील हो गया और एक्सप्रेस वे पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

हादसे के बाद कई यात्री बस में फँस गए। सूचना मिलते ही अरौल व बिल्हौर पुलिस, यूपीडा कर्मी और स्थानीय लोग मौके पर पहुँचे और कड़ी मशक्कत के बाद घायलों को बाहर निकाला। थोड़ी देर बाद एडीसीपी वेस्ट कपिलदेव सिंह, एसीपी बिल्हौर और कल्याणपुर के साथ कई थानों का फोर्स पहुंचा।

सभी एंबुलेंस और पुलिस की गाड़ियों से सभी घायलों को पहले बिल्हौर सीएचसी ले जाया गया, जहाँ से प्राथमिक उपचार के बाद सभी को कानपुर रेफर कर दिया गया।अरौल इंस्पेक्टर जनार्दन यादव ने बताया कि हादसा तड़के 3:20 बजे हुआ। तीन लोगों की मौत की पुष्टि की गई है। बस को बाद में क्रेन की मदद से हटाया गया और करीब एक घंटे की कोशिश के बाद यातायात बहाल किया गया। उधर एसीपी मंजय सिंह और एसडीएम संजीव दीक्षित, बिल्हौर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुँचे। दोनों अधिकारियों ने घायलों का हाल-चाल लिया। मासूम बच्चों और लहूलुहान यात्रियों को देखकर अफसर भी पल भर को भावुक हो उठे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उनकी निगरानी में सभी घायलों को उपचार के लिए कानपुर रेफर कराया गया।

तहसीलदार सदर ने कराया घायलों को चाय-नाश्ता

हादसे की जानकारी मिलते ही तहसीलदार सदर विनय द्विवेदी तुरंत हैलेट अस्पताल पहुँचे। वहाँ उन्होंने डॉक्टरों से घायलों के इलाज की जानकारी ली और मरीजों से मिलकर उनका हाल पूछा। अस्पताल में मौजूद घायलों और उनके परिजनों को उन्होंने चाय-नाश्ता भी कराया, ताकि इलाज के दौरान किसी को दिक्कत न हो।

इलाज में किसी भी प्रकार की लापरवाही न होः डीएम

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह करीब 11 बजे हैलेट अस्पताल पहुँचे और बिल्हौर में हुए सड़क हादसे में घायल यात्रियों का हालचाल लिया। डीएम ने वार्डों में जाकर घायलों से बातचीत की और उनकी स्थिति जानी। अस्पताल प्रशासन से उपचार व्यवस्था की जानकारी लेते हुए उन्होंने चिकित्सकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि इलाज में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। जिलाधिकारी ने घायलों और उनके परिजनों को हर संभव सहायता व सहयोग का भरोसा दिलाया।

एसडीएम ने लेखपाल-कानूनगो की टीम को दी जिम्मेदारी

भोर पहर हुए दर्दनाक सड़क हादसे के बाद बिल्हौर सीएचसी से रेफर किए गए घायलों को सुरक्षित रिसीव कराने, उनका विवरण दर्ज करने तथा आगे की उपचार प्रक्रिया में सहयोग के लिए एसडीएम बिल्हौर संजीव दीक्षित ने तहसील के लेखपालों और कानूनगो को तत्काल ड्यूटी पर लगा दिया।एसडीएम के निर्देश पर कानूनगो कीर्ति, विजय कुमार, मुकेश दुबे तथा लेखपाल सुनील चौधरी, ललित रजक, अजय त्रिपाठी, अश्वनी यादव सहित अन्य राजस्व कर्मियों को जिम्मेदारी सौंपते हुए मौके पर भेजा गया। टीम ने घंटो सक्रिय रहकर सभी घायलों की रिसीविंग, डिटेल संकलन और चिकित्सा व्यवस्था में पूरा सहयोग दिया। निर्धारित कार्यवाही पूरी करने के बाद सभी कर्मचारी ड्यूटी से वापस लौट आए।

बेटे की लाश देखकर पिता चीख-चीख कर टूट पड़ा

अस्पताल के गलियारे में लड़खड़ाते कदमों से भटकता वह पिता बार-बार एक ही सवाल पूछ रहा था। मेरा बच्चा कहाँ है, किसी ने उसे देखा क्या? चेहरे पर दहशत, आँखों में उम्मीद और दिल में गहरी बेचैनी लिए वह हर स्ट्रेचर, हर वार्ड और हर मरीज के पास जाकर अपने बेटे को ढूँढ़ रहा था। उसे यकीन था कि उसका बच्चा कहीं न कहीं जिंदा होगाए बस उसे मिल जाना चाहिए। इसी बीच पुलिस उसे एक कंबल के पास ले गई, जहाँ एक छोटा, निर्जीव शव पड़ा था। पिता की सांसें अटक गईं। धीरे से कंबल का किनारा उठाते ही उसकी दुनिया चमक-दमक खो चुकी थी। बेटे के शव को देखते ही वह जोर से चिल्लाया और घुटनों के बल गिर पड़ा। उसकी चीखें पूरे वार्ड में गूंज उठीं। वह बार-बार अपने हाथ बढ़ाकर बच्चे को सीने से लगाना चाहता, फिर काँपते हुए पीछे खींच लेता। पास खड़ी पुलिस उसे संभालने की कोशिश करती रही, लेकिन उसका दुःख इतना गहरा था कि कोई शब्द उस तक पहुँच ही नहीं पा रहा था। उसका रोना अस्पताल की दीवारों से टकराकर बार-बार लौट रहा था जैसे हर कोना उसकी टूटती हुई आवाज़ को अपने अंदर समेट रहा हो। बाप को रोता देख वहाँ पर मौजूद अधिकारियों की आँखें गीली हो गईं।

जारी की गई घायलों की सूची

हादसे के बाद पुलिस ने इस दर्दनाक हादसे में घायल हुए लोगों की सूची सार्वजनिक की है। जारी सूची के अनुसार घायल होने वालों में सपना, शुभम, रणधीर सिंह, गुड्डी, अजय, अंकुश कुमार, पवन कुमार, अभिषेक, छाया, प्रीति, लक्ष्मी, संदीप, प्रेम प्रकाश, ललित, अरुण, अमित, रजनी, पवन, राजन और अरविंद्र शामिल हैं।

हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई।मृतकों की पहचान 7 वर्षीय अनुराग पुत्र अजय निवासी बिहार, 20 वर्षीय नसीम आलम पुत्र सोहेल, निवासी बिहार तथा 26 वर्षीय शशि कुमार पुत्र धर्मेंद्र गिरी, निवासी पश्चिम बंगाल के रूप में हुई है।

सम्पादकीय

क्रीमी लेयर को अलग करने की पहल

हाल ही में भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई द्वारा अनुसूचित जाति आरक्षण के लिए क्रीमी लेयर सिद्धांत का समर्थन करने से एक महत्वपूर्ण तार्किक चर्चा फिर से प्रारंभ हो गई है। जिसका मकसद है कि कैसे सकारात्मक पहल करके आरक्षण के उद्देश्य को अधिक न्यायसंगत, लक्षित और प्रभावी बनाया जा सकता है। वास्तव में उनकी पहल का मकसद संवैधानिक सुरक्षा को कमजोर करने का नहीं है। बल्कि यह सुनिश्चित करने का प्रयास है कि आरक्षण का लाभ उन लोगों तक पहुंचे, जिन्हें वास्तव में इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। यानी कि अनुसूचित जाति समुदाय के सबसे गरीब, सामाजिक रूप से सबसे अधिक वंचित और आरक्षण के लाभ में सबसे कम प्रतिनिधित्व करने वाले वर्ग को लाभ पहुंचाने का मकसद पूरा करना। बहुत संभव है कि मुख्य न्यायाधीश के इस विचार से असहमति के तर्क दिये जाएं। वास्तव में, देश में दशकों से आरक्षण की बहस कोटा बढ़ाने पर केंद्रित रही है, लेकिन उनके न्यायसंगत वितरण की दिशा में पर्याप्त पहल नहीं हो पायी है। निर्विवाद रूप से अनुसूचित जाति समुदाय के एक छोटे, अपेक्षाकृत बेहतर आर्थिक-सामाजिक स्थिति वाले वर्ग ने ही बार-बार शिक्षा और सरकारी रोजगार के अवसरों का लाभ उठाया है। वहीं दूसरी ओर पीढ़ी दर पीढ़ी अभावों के भंवर-जाल में फंसे परिवार- मसलन श्रमिक, सफाई कर्मचारी, भूमिहीन मजदूर परिवार लगातार हाशिये पर ही बने हुए हैं। यदि आरक्षण का मूल उद्देश्य संरचनात्मक असंतुलन को ही ठीक करना है तो इसके लाभ सीमित दायरे के लोगों को ही नहीं मिलना चाहिए। उल्लेखनीय है कि ओबीसी वर्ग के लिये यह प्रावधान सफलतापूर्वक लागू किया जा चुका है। इसमें दो राय नहीं कि क्रीमी लेयर का सिद्धांत आरक्षण लाभ में इस तरह के एकाधिकार को रोकने का एक सशक्त साधन है। कि सामाजिक गतिशीलता, हालांकि सीमित स्तर पर कुछ ही लोगों के लिये संभव हुई है। साथ ही अवसरों के अधिक न्यायसंगत वितरण को सुनिश्चित करने के लिये नीति को अनुकूलित किया जाना वक्त की जरूरत है। जब किसी आईएएस अधिकारी या वरिष्ठ अधिकारी का बच्चा सामाजिक रूप से हाशिये पर गए वर्ग के किसी व्यक्ति के मुकाबले समान लाभों का दावा करना जारी रखता है तो इससे लक्षित उद्देश्य कमजोर हो जाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि क्रीमी लेयर को बाहर करने पर उनके जातिगत भेदभाव होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। लेकिन यह केवल यही दर्शाता है कि किसी भी ऐतिहासिक रूप से उत्पीड़ित समूह के भीतर, वंचितता की स्थिति अलग-अलग होती है। ऐसी अवस्था में, सबसे निचले स्तर के लोग राज्य के संरक्षण पाने के लिये प्राथमिकता के हकदार हैं। निश्चित रूप से स्पष्ट मानदंड, सामाजिक पिछड़ेपन का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करने और दुरुपयोग को रोकने के लिये कारगर सुरक्षा उपाय होने चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की टिप्पणी इस बात की ही परिचायक है कि सामाजिक न्याय का विस्तार होना चाहिए। अनुसूचित जातियों के आरक्षण से क्रीमी लेयर को सोच-समझकर बाहर करने से समानता के संवैधानिक वायदे की पुष्टि हो सकती है।

सर क्रीक मामले को नये सिरे से सुलझाने की जरूरत

ज्योति मल्होत्रा

बीते दिनों भारत-पाकिस्तान के बीच सरक्रीक सीमा विवाद को लेकर तल्ख बयानबाजी सामने आयी। जबकि करीब दो दशक पूर्व भारत-पाकिस्तान वार्ता में यह मसला समाधान के बहुत करीब पहुंच गया था, हालांकि सुलझा नहीं। यह प्रकरण दर्शाता है कि एक-दूसरे के धुर विरोधी देश भी कुछ जटिल लंबित मुद्दों के परस्पर स्वीकार्य समाधानों पर वार्ता की गुंजाइश रखते हैं।कच्छ के रण स्थित सर क्रीक भूभाग को लेकर भारत-पाकिस्तान सीमा विवाद कुछ दिनों पहले पुनः भड़कता नजर आया। पाकिस्तान अपनी तरफ, पश्चिमी तट पर किलेबंदी कर रहा था, जो उसके अधिक आक्रामक रुख का संकेत कहा जाएगा। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बीते दिनों एक चेतावनी जारी करते हुए कहा था कि सर क्रीक क्षेत्र में पाकिस्तान का कोई भी दुस्साहस भारत की कड़ी प्रतिक्रिया को न्योता देगा, जो 'इतिहास और भूगोल दोनों बदल सकता है'।

यह बात बेशक धमकी भरी लगे, लेकिन यह दोनों पक्षों की ओर से तनाव बढ़ाने वाले निरंतर कथनों के अनुरूप थी। यह विवाद 2005-07 के दौरान भारत-पाकिस्तान समग्र वार्ता में समाधान के बहुत करीब पहुंच गया था, जब दोनों पड़ोसियों के बीच संबंध शायद अपने सबसे आशाजनक और रचनात्मक दौर में थे। , तब भी कूटनीति जारी रखना ज़रूरी है।बतौर भारत का विदेश सचिव (2004-06), मेरे कार्यकाल के दौरान, भारत-पाकिस्तान वार्ता दो मुद्दों पर केंद्रित थी, जिन पर दोनों पक्ष सहमत थे कि 'आरंभिक समझौता' संभव है। एक था सियाचिन और दूसरा सर क्रीक विवाद। इनमें सर क्रीक विवाद हल करना अपेक्षाकृत आसान माना जा रहा था। सर क्रीक (जिसे पहले बतौर 'बाण गंगा' जाना जाता था) को लेकर विवाद मूलतः ब्रिटिश राज के तहत आते कच्छ और सिंध नामक प्रांतों के बीच 1908 में पैदा हुआ। वर्ष 1914 में, बॉम्बे संभाग ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार, जिसके अधिकार क्षेत्र में गुजरात और सिंध भी आते थे, उसने एक प्रस्ताव जारी किया, जिसमें क्रीक की सीमा के संरेखण (रिएलाइनमेंट) के बारे में विरोधाभासी प्रावधान थे। पैराग्राफ 9 में, इसने क्रीक के पूर्वी तट संरेखण सिंध के पक्ष में रखा। अगले ही पैराग्राफ में, इसने क्रीक के मध्य चैनल को इस आधार पर बतौर सीमा स्वीकार कर लिया कि साल के अधिकांश समय क्रीक में नौका परिचालन संभव है। जाहिर है पाकिस्तान पैरा 9 को आधार बनाकर अपना हक जताता है। जिसमें मध्य धारा को सीमा रेखा की निशानदेही माना गया है। भारत का पक्ष इस तथ्य से और मजबूत होता है कि 1925 में मध्य धारा के बीच निशानदेही खंबे लगाए गए थे, जिनमें से कई आज भी मौजूद हैं।यह संरेखण इतना महत्वपूर्ण क्यों है? सर क्रीक क्षेत्र का अधिकांश भाग लवण-बहुल दलदली भूमि है, जहां आबादी बहुत कम हैं। भू-सीमा निर्धारण इसलिए अहम है ककि सहमति से बने भू-सीमारेखा बिंदु वह आधार रेखा बनाएंगे, जहां से अरब सागर में समुद्री सीमा खींची जाएगी। क्रीक के मुहाने पर केवल कुछ किलोमीटर का परिवर्तन समुद्री सीमा रेखा को भी स्थानांतरित कर देगा, जिससे संभवतः प्रत्येक देश के अधिकार क्षेत्र में पड़ता आर्थिक रूप से बहुत फायदेमंद इलाका (ईईजेड) और महाद्वीपीय शेल्फ की मल्कियत पर असर पड़ेगा। माना जाता है कि ईईजेड में आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण तेल एवं गैस भंडार और मछलियों की प्रचुरता वाले इलाके हैं। इस प्रकार, जिस किसी देश को सबसे अधिक समुद्री इलाका मिलेगा, उसका अधिकार संसाधन संपन्न इस अहम इलाके पर बन जाएगा। समग्र वार्ता के 2005-07 चरण के दौरान एक समझौता प्रस्ताव पर चर्चा हुई थी, जिसमें दोनों देशों के नौसैन्य जलविज्ञानी और सर्वेक्षणकर्ताओं के बीच तकनीकी विचार-विमर्श शामिल था।

कुदरत की गोद में स्वस्थ जीवन की राह

पर्यावरण का संरक्षण

ज्वाला सिंह दास

स्वस्थ रहने के लिए जरूरी है कि हम प्रकृति से अपना रिश्ता फिर से मजबूत करें। जैसे एक बच्चा अपनी मां की गोद में सबसे सुरक्षित महसूस करता है, उसी तरह मनुष्य प्रकृति की गोद में सबसे स्वस्थ रहता है। इसलिए जीवन की लय को सही करने के लिए हमें प्रकृति की ओर लौटना होगा। भारत में पिछले आठ वर्षों से प्राकृतिक दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य लोगों को यह समझाना है कि स्वास्थ्य की मूल जड़ें प्रकृति में निहित हैं। प्राकृतिक चिकित्सा का आधार 'पंचमहाभूत सिद्धांत' है—मिट्टी, जल, अग्नि (धूप), वायु और आकाश। इन्हीं पांच तत्वों से प्रकृति का निर्माण हुआ है, मानव शरीर का निर्माण हुआ है और हमारे आहार को रखने वाले अधिकांश बर्तन एवं पात्र भी पंचतत्त्वीय संरचना से ही बने होते हैं। इसीलिए प्राकृतिक चिकित्सा मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य स्थापित करने को सबसे महत्वपूर्ण मानती है।

दरअसल, प्राकृतिक चिकित्सा एक प्रिवेंटिव यानी निवारक स्वास्थ्य पद्धति है। प्राकृतिक चिकित्सा का उद्देश्य केवल बीमारी का इलाज करना ही नहीं, बल्कि बीमारी को होने से पहले रोकना है। इसमें मुख्य रूप से तीन बातें शामिल हैं—पहला आहार, जो शुद्ध, सात्विक, शाकाहारी और प्राकृतिक भोजन हो। दूसरा विहार यानी लाइफ स्टाइल यानी दिनचर्या यानी योग, प्राणायाम, सूर्यस्नान, जलचिकित्सा आदि शामिल हैं। तीसरा है आचार यानी मन का संतुलन। सकारात्मक सोच यानी मानसिक शुद्धि। प्राकृतिक चिकित्सा यह सिद्ध

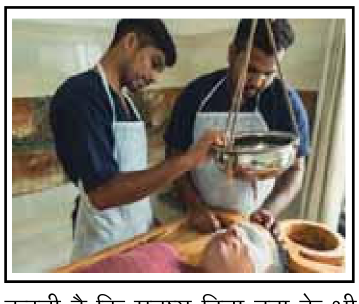

करती है कि मनुष्य बिना दवा के भी पूर्णतः स्वस्थ रह सकता है, बशर्ते वह प्रकृति के नियमों का पालन करे। वास्तव में हमारे पर्यावरण का संरक्षण हमारे स्वास्थ्य की पहली शर्त है। मनुष्य का स्वास्थ्य उसके पर्यावरण से गहराई से जुड़ा है। । साथ ही वायु, जल और मिट्टी का संरक्षण करें। इसके साथ ही जरूरी है कि हम प्राकृतिक संसाधनों का सदुपयोग गंभीरता से करें। वास्तव में शुद्ध वातावरण हमें बीमारियों से बचाता है। आज के समय में अनेक रोगों का कारण और निवारण इसी धरती, हमारे परिवेश में छिपा हुआ है। जितना हम प्रकृति से दूर होंगे, तो रोगों से लड़ने की क्षमता अपने आप कम होती चली जाएगी। वास्तव में हमारे तन और मन— की विकृति से उत्पन्न होती हैं बीमारियां। हकीकत है कि बीमारियां केवल शरीर से नहीं, बल्कि मन की असंतुलित अवस्था से भी उत्पन्न होती हैं।

दरअसल, आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में तनाव, अवसाद, अनियमित दिनचर्या तथा गलत आहार ने मनुष्य के जैविक संतुलन को बिगाड़ दिया है। सही जीवनशैली अपनाकर इन सभी विकृतियों को दूर किया जा सकता है। हमने देखा कि कोरोना काल में प्राकृतिक चिकित्सा की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो गई थी। कोविड-19 महामारी के दौरान प्राकृतिक चिकित्सा की पद्धतियों ने करोड़ों लोगों को राहत दी, जिसमें विशेष रूप से जल चिकित्सा, सूर्यस्नान व योग-प्राणायाम ने रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में उपयोगी भूमिका निभाई है।भारतीय आयुर्वेद की मान्यता रही है कि हमारा 90 फीसदी उपचार शरीर की स्वयं की हीलिंग शक्ति पर आधारित है। इसके अलावा उपचार में डॉक्टर का व्यवहार और मार्गदर्शन का छह फीसदी योगदान होता है और केवल 4 फीसदी में दवाइयों की वास्तविक भूमिका देखी जाती है। यह आंकड़े प्राकृतिक चिकित्सा की उपयोगिता स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं।दरअसल, प्राकृतिक चिकित्सा से स्वास्थ्य के मूल सिद्धांत हैं सात्विक भोजन लेकिन समय पर और पाचन क्षमता के अनुसार होना चाहिए। कम से कम सात घंटे की नियमित नींद होनी चाहिए, जिससे शरीर की जीवनशक्ति पुनर्निर्मित होती है। जैसे हम होली व दीपावली पर घर की सफाई करते हैं, वैसे ही हमें अपने तन-मन की सफाई करनी चाहिए।

12वीं के छात्र को सरेराह रोककर चाकू से गोदा

क्लासरूम विवाद बना खून-खराबे का कारण, एक दर्जन से अधिक हमलावरों ने छात्र को कट्टे के बल पर दौड़ा-दौड़ा कर मारा

» प्रमुख संवाददाता/ स्वराज इंडिया

कानपुर। चौबेपुर थाना क्षेत्र के पचोर गांव के पास सोमवार दोपहर मधना कॉलेज के 12वीं के छात्र पर दर्जनभर से ज्यादा दबंगों ने चाकुओं से जानलेवा हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल छात्र जमीन पर लहूलुहान होकर गिर पड़ा, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने उसे उठाकर अस्पताल पहुंचाया। छात्र की हालत अभी भी नाजुक बताई जा रही है।जानकारी के अनुसार, मधना कॉलेज की कक्षा 12 में दो छात्रों के बीच बीते दिनों किसी बात को लेकर विवाद हुआ था।

यह मामूली विवाद धीरे-धीरे बढ़ता चला गया। सोमवार को दूसरा गुट कॉलेज के बाहर पहले से ही छात्र की रेकी कर रहा था। जैसे ही वह घर जाने के लिए रास्ते से गुजरा, हमलावरों ने बाइक और

पैदल उसे घेर लिया।छात्र का आरोप है कि हमलावर हाथों में कट्टा लिए थे। पहले कट्टा दिखाकर डराया गया, फिर अचानक तीन से चार लोगों ने उस पर चाकू से वार करने शुरू कर दिए। हमले में छात्र के पेट, हाथ और पीठ पर कई गहरे घाव आए हैं।स्थानीय लोगों और छात्रों ने मधना कॉलेज प्रशासन की लापरवाही को इस घटना के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार बताया है। उनका कहना है कि कॉलेज में आए दिन गैंगबाजी, दबंगई, झगड़े और हथियारबाजी की घटनाएं होती रहती हैं। कई बार शिकायतों के बावजूद न तो सुरक्षा के इंतज़ाम बढ़ाए गए और न ही किसी छात्र पर सख्त कार्रवाई की गई।

कॉलेज के बाहर न तो सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, न ही गेट पर सुरक्षा कर्मी मौजूद रहते हैं। छात्रों का कहना है कि प्रशासन ढीला होने के कारण बाहरी लोग भी कॉलेज परिसर में बेखौफ घुस आते हैं, जिससे घटनाओं का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है।घायल छात्र के परिजनों ने चौबेपुर पुलिस पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि पुलिस मुकदमा दर्ज करने में टालमटोल कर रही है और उल्टा उन पर समझौते का दबाव बना रही है। परिजनों का आरोप है कि कुछ स्थानीय दबंगों के दबाव में पुलिस निष्पक्ष कार्रवाई नहीं कर रही।परिवार ने चेतावनी दी है कि यदि पुलिस मुकदमा दर्ज नहीं करती, तो वे पुलिस के उच्चाधिकारियों से मिलकर पूरी घटना की शिकायत करेंगे। परिजनों ने यह भी कहा कि इस हमले का उद्देश्य सीधा हत्या था, इसलिए मामले की धारा भी गंभीर लगाए जाने की मांग की जा रही है।हमले के बाद पचोर गांव और आस-पास के इलाकों में तनाव फैल गया है। ग्रामीणों और छात्रों में पुलिस और कॉलेज प्रशासन के खिलाफ भारी आक्रोश है। कई अभिभावकों ने अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि कॉलेज में सुरक्षा व्यवस्था बेहद कमजोर है।दूसरी ओर, चौबेपुर पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी। हालांकि परिजनों का आरोप है कि अभी तक किसी हमलावर को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

कागजों में मृतक दिखा छीन लिया जीने का सहारा

» सीडीओ के सामने पहुंचीं बुजुर्ग

» प्रमुख संवाददाता/ स्वराज इंडिया

कानपुर। बिल्हौर समाधान दिवस में बुजुर्ग रूपा देवी ने सीडीओ दीक्षा जैन से गुहार लगाई कि उन्हें कागजों में मृत दिखाकर उनकी वृद्धा पेंशन पिछले पांच साल से बंद कर दी गई है। इस पर सीडीओ ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत पेंशन बहाल करने और जीवित बुजुर्ग को मृत घोषित करने वाले कर्मचारी की जांच के निर्देश दिए हैं।साहब मैं रूपा देवी जिंदा हूं। कागजों में मृतक दिखाकर मेरे जीने का सहारा वृद्धा पेंशन बंद कर दी गई। पांच साल से ब्लॉक, समाज कल्याण विभाग के चक्कर लगा रही हूं फिर भी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। अब आप से ही सहारा है कि शायद मैं कागजों में फिर से जिंदा हो जाऊं। यह फरियाद राधन पंचायत के पांडेपुर गांव निवासी 94 वर्षीय बुजुर्ग ने समाधान दिवस में सीडीओ दीक्षा जैन से लगाई।

इसके बाद सीडीओ ने मामले को गंभीरता से लेकर जिम्मेदारों को जांच करने के निर्देश दिए साथ ही समाज कल्याण अधिकारी से तुंरत पेंशन बहाल करने के निर्देश दिए। सीडीओ शनिवार को बिल्हौर तहसील में लोगों की शिकायतें सुन रहीं थी। तभी बुजुर्ग रूपा देवी पुत्र राम प्रकाश के साथ उनके पास पहुंचीं। राम प्रकाश ने बताया कि मां की पेंशन वर्ष 2000 से शुरू हुई थी और 2020 तक आती रही। इसके बाद बिना किसी सूचना के अचानक पैसे आना बंद हो गए।

नया आवेदन कराकर पेंशन बहाल कराने के निर्देश

कई बार ग्राम प्रधान, ग्राम विकास अधिकारी और ब्लॉक के एडीओ, समाज कल्याण अधिकारी से शिकायत की। कई बार आधार कार्ड, पासबुक और अन्य कागजात दिए, लेकिन पेंशन बहाल नहीं हुई। एक माह पहले पता चला कि कागजों में मां को मृत दिखा दिया गया है। राम प्रकाश ने कहा मां जीवित हैं हर बार कागज जमा करते हैं पर कोई सुनवाई नहीं हुई। सीडीओ ने समाज कल्याण अधिकारी शिल्पी सिंह को जीवित बुजुर्ग को मृत घोषित करने वाले कर्मचारी की जांच कराने और बुजुर्ग से नया आवेदन कराकर पेंशन बहाल कराने के निर्देश दिए।

रामपाटी गांव की दो महिलाओं की भी पेंशन बंद

औरंगपुर सांभी पंचायत के रामपाटी गांव की रामदेवी और बृजरानी भी पेंशन बंद होने से परेशान हैं। दोनों महिलाओं ने बताया कि बिना किसी सूचना के उनके खाते में पेंशन आना बंद हो गई। कई बार प्रधान के घर और ब्लॉक कार्यालय के चक्कर लगाए, लेकिन समस्या हल नहीं हुई। मामले में बीडीओ नेमचंद्र ने बताया कि दोनों महिलाएं उनसे नहीं मिली हैं। ग्राम विकास अधिकारी से बात कर उनकी मदद की जाएगी। उधर ग्राम प्रधान मंजू रमन सिंह चंदेल ने बताया कि दोनों महिलाओं के ऑनलाइन आवेदन कई बार भेजे गए।

शिक्षकों को लखनऊ में दिया गया शिक्षा सारथी सम्मान

बिल्हौर ब्लॉक की तीन शिक्षिकाओं को सराहा गया

» स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। विद्यालय बने आनन्द घर के ध्येय से स्थापित शैक्षिक संवाद मंच , उत्तर प्रदेश द्वारा शिक्षाविद गिजूभाई बधेका की जयंती के मौके पर लखनऊ में शिक्षक संगोष्ठी एवं शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में चयनित नवाचारी शिक्षक शिक्षिकाओं को उनके विद्यालयों को विद्यालय बने आनन्द घर के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों हेतु राष्ट्रीय शिक्षा सारथी सम्मान – 2025 से नवाजा गया। कानपुर नगर से बिल्हौर ब्लॉक में कार्यरत नीलम कनौजिया, रेखा भांतु, आरती सिंह को और चौबेपुर ब्लॉक से राज्य शिक्षक पुरस्कार प्राप्त शिक्षक राजन लाल को दिया गया । इस अवसर पर गिजूभाई बधेका की पुस्तक दिवास्वप्न पर लेख संग्रह और कविता फूले है पलाश का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ0 पवन पुत्र बदल , राष्ट्रीय महामंत्री अखिल भारतीय साहित्य परिषद तथा विशिष्ट अतिथि शिव मोहन यादव ने शिक्षकों को उर्जा और उत्साह से भर दिया।

एसईआर के तहत घर-घर जाकर भरवाए फॉर्म

एसडीएम ने बीएलओ से कार्य मे तेजी करने के निर्देश

» स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर देहात। निर्वाचन आयोग के द्वारा मतदाता सूची के प्रगाण पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य चल रहा है। इसको लेकर प्रत्येक ग्राम पंचायत प्रत्येक बूथ संख्या में बीएलओ मतदाताओं का सत्यापन कर रहे हैं। 5 दिसंबर तक हर हाल में सत्यापन का कार्य पूर्ण करना है। इसको लेकर उपजिलाधिकारी सर्वेश सिंह ने सभी बीएलओ को तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए। निर्वाचन आयोग ने हाल ही में पश्चिम बंगाल उत्तर प्रदेश में एसआईआर के निर्देश दिए हैं। जिसमें मतदाताओं का सत्यापन किया जा रहा है। इसी क्रम में रसूलाबाद नगर में 17 बूथ केंद्रों के मतदाताओं का सत्यापन का कार्य तेजी से चल रहा है। घर घर जाकर बीएलओ उन मतदाताओं का सत्यापन कर रहे हैं। जिनका पहले से ही मतदाता सूची में नाम है। इसके साथ ही नए मतदाताओं को भी जोडने का कार्य चल रहा है। सुपरवाइजर लेखपाल रावेन्द्र ने बताया कि बीएलओ को निर्देशित किए गए है कि हर मतदाता को उसका गणना पत्र देकर बारीकी से सही से भरवा कर जमा करें।

रनियां में सड़क हादसा बाइक सवार युवक की मौत

» मंटोरा पुल के पास सर्विस लेन पर हुआ हादसा, परिजनों में मचा कोहराम

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात रनियां थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात सडक़ हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान गजनेर थाना क्षेत्र के नंगापुर निवासी राजकुमार के पुत्र प्रदीप कुमार के रूप में हुई है। हादसा मंटोरा पुल के पास सर्वेश लेन पर हुआ। हादसे में प्रदीप की बाइक एक खड़ी डीसीएम से टकरा गई।

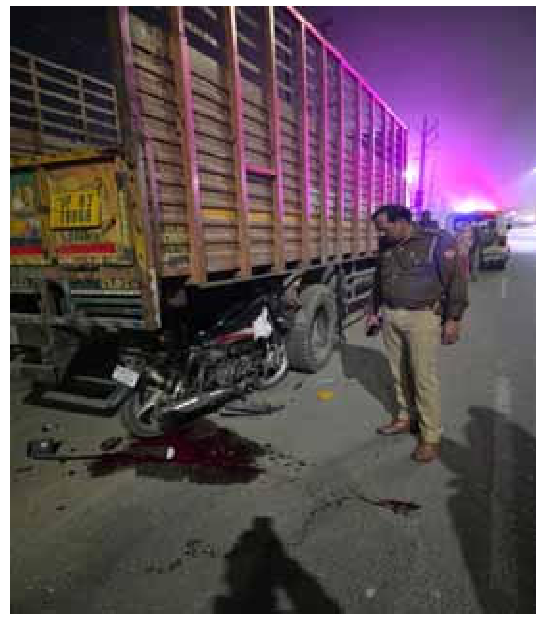

पुलिस के मुताबिक सोमवार देर रात करीब 12 बजे प्रदीप की मोटरसाइकिल की सर्विस रोड पर खड़ी डीसीएम से टक्कर हो गई।

हादसे में प्रदीप गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची हाइवे एंबुलेंस ने उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां मौजूद चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना मिलने पर परिजनों का रो रो कर बुरा हाल था। प्रभारी निरीक्षक शिवनारायन सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

शोहदे से तंग युवती ने युवक की जीभ दांतों से काटी

» बोली- बना रहा था दबाव, अस्पताल में भर्ती

» स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। बिल्हौर थाना क्षेत्र में एक युवक द्वारा शादी तय होने के बाद भी दबाव बनाने और जबरदस्ती करने की कोशिश से परेशान होकर एक युवती ने आत्मरक्षा में युवक की जीभ दांतों से काट दी। इसके बाद घायल युवक को अस्पताल भेजा गया और युवती की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया

है।कानपुर के बिल्हौर थाना क्षेत्र में बुधवार को एक हैरान करने वाली घटना सामने आई, जहां छेड़छाड़ और दबाव से परेशान एक युवती ने युवक की जीभ दांतों से काट दी। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। जानकारी के अनुसार युवती खेतों पर काम करने गई थी, तभी पीछे से युवक वहां पहुंच गया।बताया जा रहा है कि युवक और युवती के बीच पहले से प्रेम संबंध थे, लेकिन हाल ही में युवती की शादी तय हो जाने के बाद युवक लगातार उस पर दबाव बना रहा था और परेशान कर रहा था। घटना वाले दिन भी उसने युवती के साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की, जिस पर युवती ने विरोध करते हुए उसकी जीभ दांतों से काट दी।

सभी पहलुओं पर जांच कर रही है पुलिस

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल भेजा। युवती की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। डीसीपी पश्चिमी दिनेश त्रिपाठी ने बताया कि युवती की तरफ से मामला दर्ज कर लिया गया है।

गिरदौ ग्राम पंचायत में भारी भ्रष्टाचार पर जांच टीम गठित

» डीएम कपिल सिंह के निर्देश पर 2 सदस्यीय टीम गठित की गई है

» ग्राम प्रधान पर गंभीर आरोप है कि सरकारी धन परिवार के खातों में ट्रांसफर किया गया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। स्वराज इंडिया समाचार पत्र में प्रकाशित रिपोर्ट का व्यापक असर अब प्रशासनिक स्तर पर साफ दिखाई दे रहा है। गिरदौ ग्राम पंचायत में विकास कार्यों की आड़ में लाखों के भ्रष्टाचार के खुलासे के बाद जिलाधिकारी कपिल सिंह ने त्वरित संज्ञान लेते हुए दो सदस्यीय जांच टीम गठित कर विस्तृत रिपोर्ट तलब की है।ग्रामीणों ने शिकायत में सबसे गंभीर आरोप यह लगाया गया है कि ग्राम प्रधान हरजीत सिंह यादव ने स्वयं, अपने भाई और अन्य सगे-संबंधियों के खातों में सरकारी धन ट्रांसफर कराकर खुलेआम बंदरबांट किया।

इतने हरिशचंद्र ना बनो प्रधान जी

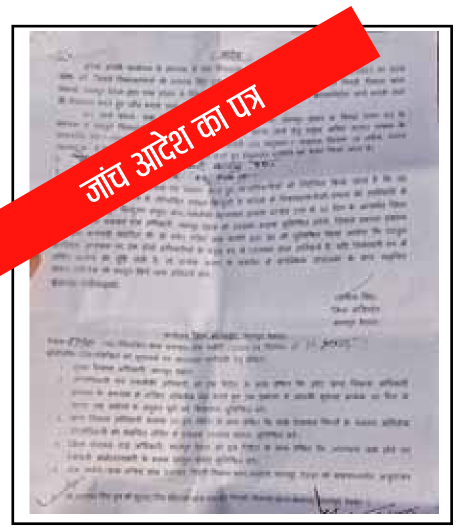

हलचल खबर का असर

राज्य वित, 15वें वित और मनरेगा की धनराशि का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग कर परिवार के खातों में पहुंचाने के आरोप बेहद गंभीर हैं और ग्रामीणों में भारी आक्रोश का विषय बने हुए हैं। सबसे पहले ग्राम प्रधान द्वारा मनरेगा में खुद को मजदूर दिखाकर 91,048 रुपये अपने खाते में निकालने का मामला सामने आया। इसके अलावा– शौचालय निर्माण मजदूरी भुगतान- 25,200 रुपये, रेन वाटर हार्वेस्टिंग भुगतान- 18,400 रुपये, बालक–बालिका शौचालय भुगतान- 53,200 रुपये जैसे कई भुगतान उसी अवधि में जारी किए गए, जबकि ग्राम पंचायत में इन कार्यों का धरातल पर अस्तित्व ही संदिग्ध है।

स्वराज इंडिया की पड़ताल ने उजागर किया बड़ा खेल

स्वराज इंडिया की रिपोर्ट में उजागर किया गया कि कई विकास कार्य कागजों में दिखाए गए, लेकिन गांव में वे हुए ही नहीं। इसके बावजूद लाखों रुपये ग्राम प्रधान, उसके भाई और अन्य करीबियों के खातों में भेजे गए। यह सुनियोजित बंदरबांट न केवल सरकारी धन की खुली लूट है बल्कि पारदर्शिता पर सीधा प्रश्नचिह्न भी। स्वराज इंडिया की खबर सामने आने के बाद जिलाधिकारी कपिल सिंह ने जिला आबकारी अधिकारी और लोक निर्माण विभाग के एई को शामिल करते हुए दो सदस्यीय जांच टीम गठित कर दी है। टीम को सभी भुगतान, फाइलों और स्थल निरीक्षण के आधार पर विस्तृत जांच कर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं।जांच की खबर लगते ही ग्राम पंचायत में खलबली की स्थिति है। ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से चल रहे भ्रष्टाचार के इस खेल पर अब कार्रवाई की उम्मीद जगी है।

ईट लदे ट्रक से पीछे से टकराई डीसीएम, ड्राइवर गंभीर

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र में झांसी कानपुर हाइवे नेशनल हाइवे पर डींग गांव के पास सोमवार देर रात कानपुर से झांसी की ओर जा रही एक डीसीएम ईंटों से लदे एक ट्रक के अचानक मुड़ने से पीछे से टकरा गई। हादसे में डीसीएम चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा रात्रि करीब साढ़े दस बजे हुआ। जब डींग कट पर आगे चल रही ईंटों से लदे ट्रैक पीछे से आ रहे डीसीएम से टकरा गई। हादसे की जानकारी होने पर पुलिस और ग्रामीण मौके पर पहुंचे।करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद चालक को बाहर निकाला गया। गंभीर रूप से घायल चालक को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।चौकी प्रभारी अभिषेक कुमार ने बताया कि घायल डीसीएम चालक को जिला अस्पताल भेजा गया है।

रनियां में NH-19 पर नाले की कटान, दो गाँवों की फसल तबाह

पीड़ित किसानों ने डीएम को सौंपा ज्ञापन, जांच समिति गठित

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-19 (पहले एनएच-2) पर सेंगर रिसॉर्ट के सामने बने नाले को विभागीय कर्मचारियों द्वारा बार-बार काटे जाने से दो गाँव–फतेहपुर रौशनाई और लोदीपुर–की खेती पूरी तरह बर्बाद हो गई है। नाले की कटान से खेतों में भरा पानी निकल नहीं पा रहा, जिसके कारण दोनों गाँवों की एक हजार बीघे से अधिक धान की फसल नष्ट हो चुकी है। पानी सूख न पाने से अगली फसल की जुताई-बुवाई भी संभव नहीं हो पा रही है और जमीन की उर्वरा क्षमता तेजी से घट रही है।

स्थानीय किसानों का कहना है कि वे अपने खर्चे से नाले को बंद करवाते हैं, लेकिन विभाग के कर्मचारी दोबारा नाले की कटान कर देते हैं। कई बार समाधान दिवस में शिकायत देने के बावजूद न तो स्थायी समाधान हुआ और न ही किसी तरह का मुआवजा मिला है। किसानों की आर्थिक स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है।

इसी समस्या को लेकर दोनों गाँवों के करीब दो दर्जन किसान सिविल बार संघ अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता जितेन्द्र प्रताप सिंह चौहान के नेतृत्व में जिलाधिकारी कपिल सिंह से मिले और विस्तृत ज्ञापन सौंपा। जिलाधिकारी ने ज्ञापन को मुख्यमंत्री को भेजते हुए अपर जिलाधिकारी (वित एवं राजस्व) की अध्यक्षता में जांच समिति गठित कर शीघ्र रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं।

वरिष्ठ अधिवक्ता जितेन्द्र प्रताप सिंह चौहान ने कहा कि किसानों की फसलें ही नहीं, बल्कि खेतों की उर्वरा शक्ति भी लगातार कम होती जा रही है। किसान कर्ज और संकट में डूबे हैं, लेकिन विभाग की लापरवाही समस्या को और बढ़ा रही है।साधन समिति अध्यक्ष राघवेन्द्र सिंह सेंगर ने आरोप लगाया कि आस-पास की फैक्ट्रियाँ दूषित पानी नाले को काटकर खेतों में छोड़ रही हैं, जिससे फसलें और जमीन दोनों खराब हो रही हैं।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर जल्द समाधान नहीं हुआ तो किसान मुख्यमंत्री से सीधे शिकायत करेंगे और उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल करेंगे।

पीड़ित किसानों में अनिल तिवारी, कृष्ण कुमार, अनिल कुमार साहू, जगरूप, राकेश कुमार, सुमित गुप्ता, गोरेलाल, कुलदीप, प्रकाश, धर्मेन्द्र सिंह धाकड़, ज्ञान सिंह, सोनेलाल, कमल, जगरूप सिंह, राकेश कुमार, फूलचन्द्र, कमलेश कुमार, करिश्मा देवी और विमला देवी समेत अनेक किसान शामिल रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

जो शहीद हुए हैं उनकी जरा याद करो कुर्बानी...

» रेजांगला के 114 बलिदानी वीरों को शहीद स्मारक पर जिलाधिकारी ने अर्पित किए श्रद्धासुमन

» यूपी के 24 वीर सपूतों की शौर्यगाथा को किया याद, 'राष्ट्र सर्वोपरि' की भावना को बताया प्रेरणा स्रोत

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। ईको पार्क माती स्थित शहीद स्मारक पर जिलाधिकारी कपिल सिंह ने 1962 के ऐतिहासिक रेजांगला युद्ध में अदम्य साहस दिखाने वाले 114 वीर सैनिकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। जिलाधिकारी ने स्मारक पर पुष्पगुच्छ अर्पित करते हुए कहा कि रेजांगला की यह गाथा भारतीय सेना के स्वर्णिम इतिहास का ऐसा अध्याय है, जिसे राष्ट्र सदैव गौरव के साथ याद करता रहेगा।

उन्होंने उत्तर प्रदेश के उन 24 वीर सपूतों का भी विशेष रूप से नमन किया, जिन्होंने लद्दाख की बर्फीली चोटियों पर अंतिम सांस तक लड़ते हुए देश की रक्षा की।

जिलाधिकारी ने कहा कि कठोर जलवायु, बर्फीले तूफान और शत्रु की भारी संख्या के बीच भारतीय सैनिकों ने असाधारण साहस और कर्तव्यनिष्ठा का प्रदर्शन किया, जो विश्व सैन्य इतिहास में अद्वितीय उदाहरण है। जिलाधिकारी ने भरोसा दिलाया कि शहीद परिवारों और सम्मानित सैनिकों से जुड़े सभी मामलों का जनपद में समयबद्ध और नियमानुसार निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सैनिकों व उनके परिजनों का सम्मान सरकार और प्रशासन का नैतिक व सामाजिक दायित्व है। इस अवसर पर युवाओं को संबोधित करते हुए डीएम ने कहा कि शहीदों के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

उन्होंने जनपद में सैन्य इतिहास और राष्ट्रीय मूल्यों से जुड़े कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम की कड़ी में अकबरपुर ओवरब्रिज से ईको पार्क शहीद स्मारक तक श्रद्धांजलि रैली भी निकाली गई। जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं और नागरिकों ने भाग लिया। रैली के बाद उपस्थित जनसमूह ने दो मिनट का मौन रखकर वीर सैनिकों को नमन किया। कार्यक्रम में जिला सैनिक कल्याण अधिकारी विंग कमांडर अंकित सक्सेना, समिति सदस्यों और सेवानिवृत्त सैनिकों ने भी सहभागिता की और अपने विचार साझा किए।

पत्नी की मौत से दुखी युवक ने फांसी लगाकर दी जान

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात।अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के पातेपुर गांव में एक युवक ने आम के पेड़ से सहारे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना सोमवार सुबह की है। मृतक की पहचान पातेपुर निवासी सोहन लाल उर्फ पप्पू पुत्र बदलू के रूप में हुई है। उसने अंगोछे के सहारे आम के पेड़ से फांसी लगाई थी। परिजनों को सूचना मिलने पर उन्होंने लालपुर चौकी पुलिस को जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतारकर पंचनामा की कार्रवाई की और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

फरार आरोपी को जीआरपी ने घर से दबोचा

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर। जीआरपी कानपुर सेंट्रल ने एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो कई महीनों से पुलिस की पकड़ से दूर था। पुलिस महानिदेशक रेलवे एवं वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर जीआरपी इंस्पेक्टर अमर नारायण सिंह के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में आरोपी चंदन सिंह पुत्र रणविजय सिंह, निवासी पूरब शरीरा, थाना पश्चिम शरीरा, जिला कौशांबी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी पर थाना जीआरपी कानपुर सेंट्रल में मुकदमा 43077/18, 379/411 भादंवि में न्यायालय द्वारा वॉरंट जारी था। वह काफी समय से फरार चल रहा था। टीम ने सोमवार देर रात उसके घर से दबोच लिया।

मैथा बिजली सबस्टेशन में बड़े भ्रष्टाचार का खुलासा

» जेई रमाकान्त पर रिश्वतखोरी, विभागीय सामान गायब करने के आरोप, निलंबन की संस्तुति

» महिला से 8 हजार रुपए रिश्वत लेने का आरोप भी जांच में सही पाया गया

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। जिले के मैथा बिजली उपखण्ड में एक बड़ा भ्रष्टाचार मामला सामने आया है। उपखंड अधिकारी विवेक पांडेय द्वारा की गई विस्तृत जांच में 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र कहिंजरी पर तैनात रहे तत्कालीन प्रभारी अवर अभियंता (टीजी-2) रमाकान्त पर रिश्वतखोरी, शिकायतकर्ता को धमकाकर पैसे लौटाने, फर्जी शपथपत्र देने और सरकारी सामान गायब करने जैसे कई गंभीर आरोप सत्यापित पाए गए हैं।जांच रिपोर्ट के अनुसार, ग्राम मकरंदपुर कहिंजरी की श्रीमती आसमा ने शपथपत्र और साक्ष्यों के साथ आरोप लगाया था कि जनवरी 2025 में छुश्व रमाकान्त ने मीटर लगवाने और बकाया शून्य करने के नाम पर 8 हजार रुपए की रिश्वत ली।

कई माह बीत जाने के बाद भी मीटर नहीं लगाया गया। शिकायत करने पर रमाकान्त ने 07 अक्टूबर 2025 को फोन करके उन्हें बबुआ चक्की, कहिंजरी पर बुलाया और दबाव में आकर वही 8 हजार रुपए वापस कर दिए। शिकायतकर्ता का वीडियो बयान और कॉल डिटेल रिकॉर्ड भी जांच में शामिल किए गए।

फर्जी शपथपत्र बनवाकर बचाव का प्रयास

जांच में यह भी खुलासा हुआ कि रमाकान्त ने अपने बचाव में शिकायतकर्ता के नाम से फर्जी शपथपत्र पेश किया, जिसे स्वयं शिकायतकर्ता ने गलत बताया और स्वीकार करने से इनकार कर दिया। इसे बेहद गंभीर कदाचार माना गया है।

उपकेंद्र पर तैनात तकनीशियन और संविदाकर्मियों ने लिखित बयान दिया कि रमाकान्त के स्थानांतरण के बाद उपकेंद्र से वसवार, कॉपर प्लेट्स और एबीसी केबिल सहित कई सरकारी सामग्रियां गायब मिलीं।13 अगस्त 2025 को अवर अभियंता राकेश राय ने भी रिपोर्ट की कि रमाकान्त 04 अगस्त की रात बसबार, 33 केवी क्रॉस आर्म और 100 मीटर केबल ऑटो से ले जाते देखे गए।

पीडी कराने के नाम पर 1500 रुपए की मांग

संजयनगर निवासी शिवनाथ त्रिवेदी ने विधायक पूनम शंखवार के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई कि रमाकान्त पीडी कराने के नाम पर 1500 रुपए की रिश्वत मांग रहे थे। उनका लिखित बयान भी साक्ष्य में शामिल किया गया है।

यूपी पुलिस: नए प्रशिक्षित दारोगा भी पोस्टिंग मिलते ही रिश्वतखोरी में डूबे

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पुलिस महकमे में इन दिनों लगातार रिश्वतखोरी के मामलों का सामने आना विभाग की छवि पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। मऊ और हरदोई में 2023 बैच के उपनिरीक्षकों के रिश्वत लेते पकड़े जाने के बाद अब कानपुर देहात में भी घूसखोरी का ताजा मामला सामने आया है।जानकारी के अनुसार, मऊ जनपद में 2023 बैच के उपनिरीक्षक अजय कुमार सिंह पर रिश्वत लेने के आरोप पहले से ही सुर्खियों में थे। इसी बीच, उन्हीं के बैच के उपनिरीक्षक आकाश रोशवल (जनपद–हरदोई) को एंटी करप्शन टीम ने 70,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है।

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इन सब–इंस्पेक्टर्स का प्रशिक्षण समाप्त हुए मात्र 4–5 महीने ही हुए हैं, अभी नौकरी भी स्थायी नहीं हुई, सभी मेधावी और युवा उम्मीदवार थे, जिनके भीतर समाज व देश सेवा का जज्बा बताया जाता है।

ट्रेनिंग सेंटरों में इन युवा उपनिरीक्षकों को कानून, कर्तव्य और नैतिकता का पाठ पढ़ाया गया, स्वयं अनेक वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें ईमानदारी की शपथ दिलाई, बावजूद इसके शुरुआती दौर में ही रिश्वतखोरी जैसे अपराधों में लिप्त पाए जाना बेहद गंभीर स्थिति दर्शाता है।

» चार-पांच महीने पहले ट्रेनिंग पूरी, अब रिश्वतखोरी में फँस रहे युवा दारोगा

» पुलिस विभाग में लगातार भ्रष्टाचार के मामले हो रहे उजागर

कानपुर देहात के सिकंदरा थाना क्षेत्र में तैनात सिपाही को गिरफ्तार किया गया

कानपुर देहात में सिपाही 6,000 रुपये लेते पकड़ा गया

इधर, कानपुर देहात के थाना सिकंदरा में सिपाही गौरव कुमार को 6 हजार रुपये घूस लेते एंटी करप्शन की टीम ने रंगे हाथों पकड़ा।

सूत्रों के अनुसार, गौरव कुमार ने हड्डह होटल संचालक हरदीप सिंह गौड़ से अवैध वसूली की मांग की थी। पीड़ित होटल संचालक की शिकायत पर एंटी करप्शन टीम ने कार्रवाई की और सिपाही को हिरासत में लेकर अकबरपुर कोतवाली में प्रस्तुत किया।

क्या समाज में रिश्वत अब स्टेटस सिंबल?

यह स्थिति सिर्फ पुलिस विभाग ही नहीं, पूरे समाज के लिए चिंताजनक है।

रिश्वतखोरी अब शर्म का विषय न होकर एक स्टेटस सिंबल बनती जा रही है, जिससे युवा अफसर भी बच नहीं पा रहे हैं। वह युवा जो देश व समाज सेवा की नीयत से यूनिफॉर्म पहनते हैं, वे भी भ्रष्टाचार की उसी दलदल में फँस रहे हैं जिससे पुलिस छवि सालों से जूझ रही है।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि जब नए, पढ़े–लिखे, प्रशिक्षित और आदर्शवादी युवा भी भ्रष्टाचार के चक्रजाल में फँसने लगें, तो देश व समाज सेवा के लिए समर्पित युवा आखिर आएँ कहाँ से?

क्या हमारा सामाजिक ढाँचा इतना खोखला हो चुका है कि ईमानदारी अब अपवाद बन गई है?

लगातार उजागर हो रहे ये मामले पुलिस विभाग में पारदर्शिता, अनुशासन और ईमानदारी की कमज़ोर होती दीवारों की ओर इशारा करते हैं। यदि शुरुआती स्तर पर ही कठोर कार्रवाई, नैतिक प्रशिक्षण और विभागीय निगरानी को मजबूती नहीं दी गई, तो आने वाले समय में यह समस्या विकराल रूप ले सकती है। समाज और पुलिस—दोनों को मिलकर इस भ्रष्टाचार की भांग को निष्क्रिय करना होगा, वरना सुरक्षा व्यवस्था का मूल ढाँचा ही चरमरा जाएगा।

इंस्टाग्राम से हुआ प्यार फिर हत्या कर दफनाने वाला सैनिक गिरफ्तार

» छात्रा के बैग से मिला मोबाइल नंबर बना सुराग, संयुक्त टीम ने हत्या का खुलासा किया

शादी का दबाव डालने पर बनाया हत्या का प्लान, चाकू से गला रेतकर दफना दिया

» प्रमुख संवाददाता /स्वराज इंडिया

प्रयागराज। इलाके में सनसनी फैलाने वाले 11वीं की छात्रा की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। सेना के जवान दीपक उर्फ हर्षवर्धन सिंह को थरवई के कुसुंगुर गांव में मनसैता नदी के पुराने पुल के पास से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से हत्या में प्रयुक्त चाकू और फावड़ा भी बरामद हुआ है।

छात्रा कैंट इलाके में अपने फूफा के घर रहकर पढ़ाई कर रही थी। वह 10 नवंबर को कटरा जीजीआईसी स्कूल जाने के लिए निकली थी लेकिन वापस नहीं लौटी।

15 नवंबर को थरवई क्षेत्र में स्थानीय लोगों ने मिट्टी में दबा उसका शव देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके से स्कूल बैग बरामद हुआ जिसमें एक कॉपी पर लिखा मोबाइल नंबर मिला। बैग में सिंदूर की डिब्बी मिलने से पुलिस को प्रेम प्रसंग का शक हुआ।

पुलिस की गिरफ्त में हत्यारोपी सैनिक दीपक उर्फ हर्षवर्धन

मोबाइल नंबर की जांच में पता चला कि यह सेना के जवान दीपक का है। पूछताछ में उसने पूरा सच कबूल किया। आरोपी और छात्रा की मुलाकात इंस्टाग्राम पर हुई थी और दोनों के बीच प्रेम संबंध थे। इसी बीच दीपक की शादी 30 नवंबर को तय हो गई। यह जानकर छात्रा शादी के लिए दबाव बनाने लगी।आरोपी ने पूछताछ में बताया कि शादी के दबाव से परेशान होकर उसने छात्रा को रास्ते से हटाने की योजना बनाई। घटना वाले दिन वह छात्रा को बाइक से अपने गांव के पास सुनसान नदी किनारे ले गया और वहीं चाकू से उसका गला रेतकर हत्या कर दी। इसके बाद फावड़े से गड्ढा खोदकर शव को मिट्टी में दबा दिया और ड्यूटी पर लौट गया ताकि किसी को शक न हो।

लेकिन छात्रा के बैग में मिला मोबाइल नंबर सबूत बन गया और पूरे राज का पर्दाफाश हो गया। इस खुलासे में कैंट थाना। थरवई थाना। एसओजी सिटी और गंगानगर जोन की संयुक्त टीम शामिल रही। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर न्यायिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। घटना के बाद छात्रा के परिवार में कोहराम मचा हुआ है और पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है।

अयोध्या के चप्पे-चप्पे पर हाई सिक्योरिटी का जाल

राम मंदिर परिसर की विशेष सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। दिल्ली में हुए बम विस्फोट के बाद देश भर में बढ़ाई गई सतर्कता अयोध्या में भी चप्पे-चप्पे पर दिख रही है। राम मंदिर परिसर की विशेष सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए 25 नवंबर को होने वाले भव्य ध्वजारोहण समारोह में आने वाले किसी भी मेहमान को मोबाइल फोन लेकर प्रवेश की अनुमति न देने का आदेश जारी किया है। प्रारंभिक आमंत्रण पत्र में मोबाइल ले जाने की अनुमति थी, पर नई सुरक्षा तैयारियों के मद्देनजर यह निर्णय वापस ले लिया गया है।

इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संभावित रोड शो पर भी उच्च स्तर पर मंथन हुआ और सुरक्षा कारणों से इसे न करने का अंतिम निर्णय लिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, हाल की घटनाओं और बड़े आयोजनों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए यह कदम अनिवार्य था।

राम जन्मभूमि परिसर की सुरक्षा समीक्षा के बाद अतिरिक्त मेटल डिटेक्टर, डॉग स्क्वॉड, सर्विलांस सिस्टम और नए हाईटेक कैमरों की तैनाती की जा रही है।

एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने बताया कि सभी कैमरों को एकीकृत कर एक आधुनिक कंट्रोल रूम से रियल-टाइम मॉनिटरिंग की व्यवस्था की जा रही है।

इसके साथ ही ड्रोन कैमरों से भी पूरे क्षेत्र की हवाई निगरानी की जाएगी, जिससे किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई संभव हो सके। प्रशासन ने सभी आगंतुकों से आग्रह किया है कि वे सुरक्षा नियमों का पालन करें और मोबाइल फोन साथ न लाकर व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग दें।

बढ़ी हुई सुरक्षा तैयारी यह सुनिश्चित करेगी कि रामनगरी में होने वाला यह ऐतिहासिक ध्वजारोहण समारोह पूर्णतः सुरक्षित, अनुशासित और गरिमापूर्ण बना रहे।

यह भी जान लीजिए

- 25 नवंबर को होने वाले ध्वजारोहण समारोह में मोबाइल ले जाने पर प्रतिबंध
- राम मंदिर परिसर व आसापास हर जगह पर सुरक्षा एजेंसियों की पैंनी निगाह
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संभावित रोड शो को न करने का फैसला किया गया
- मेटल डिटेक्टर, डॉग स्क्वॉड, सर्विलांस सिस्टम, नए हाईटेक कैमरे लगाए जा रहे

राम मंदिर में मंत्रोच्चारण के बीच प्रधानमंत्री मोदी फहराएंगे ध्वज

- » शंकराचार्य प्रवेश द्वार सजा, पीएम यहीं से करेंगे राम मंदिर में प्रवेश
- » ध्वजारोहण के लिए सेना के विशेषज्ञों द्वारा विशेष मचान तैयार
- » दो मंचों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे ध्वजारोहण व संबोधन

डॉ. मोहन भागवत भी मंच पर होंगे

ध्वजारोहण के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सिंहद्वार के समीप बने मंच पर पहुंचेंगे, जहाँ ट्रस्ट महासचिव चंपत राय व पदाधिकारी उनका स्वागत करेंगे। इसके उपरांत प्रधानमंत्री जनता को संबोधित करेंगे। 25 नवंबर का यह समारोह अयोध्या के इतिहास में एक उज्ज्वल अध्याय जोड़ने जा रहा है, जिसमें राष्ट्रभाव, आस्था और गौरव का अद्वितीय संगम देखने को मिलेगा।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। 25 नवंबर को होने वाले अद्वितीय और ऐतिहासिक ध्वजारोहण समारोह के लिए रामनगरी अयोध्या पूरी तरह उत्सवमय और सुरक्षा-व्यवस्थित रूप ले चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन से पहले शंकराचार्य प्रवेश द्वार को भव्य स्वरूप में सजा दिया गया है। प्रधानमंत्री इसी द्वार से राम मंदिर परिसर में प्रवेश करेंगे। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय स्वयं पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों को अंतिम रूप दे रहे हैं। मंदिर परिसर में दो अलग-अलग मंच बनाए जा रहे हैं। जिसमें एक मंच पर प्रधानमंत्री मंत्रोच्चारण की ध्वनि के बीच ध्वजारोहण करेंगे दूसरे मंच से वे जनता को संबोधित करेंगे।

प्रवेश द्वार के दक्षिण हिस्से में ढाल व मार्ग पर मिट्टी पटाई, व्यू कटर और पक्का रैंप तैयार कर दिया गया है। बीच के हिस्से में प्राकृतिक घास, सजावटी पौधे और सुगंधित फूलों से परिसर को आकर्षक स्वरूप दिया जा रहा है। उत्तर दिशा में भी जमीन समतल कर ग्रीनरी विकसित की जा रही है। मंदिर तक जाने वाला मार्ग भी हरे आवरण से आच्छादित किया जा रहा है। राम मंदिर के शिखर पर 191 फीट की ऊँचाई पर ध्वज फहराने के लिए विशेष मचान तैयार किया जा रहा है, जिस पर सेना के विशेषज्ञ जवान तैनात रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी नीचे बने मंच से डोरी खींचकर ध्वज फहराएँगे, जबकि सेना के विशेषज्ञ पूर्व निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ध्वज आरोहण सुनिश्चित करेंगे।

धर्म-ध्वजारोहण के महाआयोजन से पूर्व अयोध्या में मुख्यमंत्री योगी का दौरा

- » प्रधानमंत्री के आगमन की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए पहुंचे
- हनुमानगढ़ी-रामलला दर्शन के बाद पीएफसी में अधिकारियों संग बैठक

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। राममंदिर में 25 नवंबर को प्रस्तावित धर्म-ध्वजा फहराने के ऐतिहासिक समारोह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन को लेकर अयोध्या में तैयारियों का अंतिम चरण शुरू हो गया है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज अयोध्या दौरे पर पहुंच रहे हैं। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के लिए मुख्यमंत्री स्वयं समीक्षा करेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आज दोपहर 2:35 बजे रामकथा पार्क हेलीपैड पर उतरेंगे और लगभग ढाई घंटे अयोध्या में प्रवास करेंगे। आगमन के तुरंत बाद वह हनुमानगढ़ी और रामलला के दर्शन-पूजन करेंगे। इसके बाद मंदिर परिसर स्थित पीएफसी में जिलाधिकारी, पुलिस प्रशासन, ट्रस्ट पदाधिकारियों और संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक करेंगे। मुख्यमंत्री का यह दौरा विशेष रूप से प्रधानमंत्री के आगमन, सुरक्षा प्रबंध, जनसमूह व्यवस्था, यातायात नियंत्रण, मार्गों की साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और मुख्य कार्यक्रम स्थल की तैयारियों को परखने के लिए है। वह 25 नवंबर के ध्वजारोहण कार्यक्रम से संबंधित सभी बिंदुओं पर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देंगे।

सीएम योगी अपने भ्रमण के दौरान साकेत महाविद्यालय हेलीपैड और अयोध्या एयरपोर्ट का भी निरीक्षण करेंगे। समीक्षा और निरीक्षण कार्यक्रम पूरा करने के बाद शाम 5 बजे अयोध्या एयरपोर्ट से लखनऊ के लिए प्रस्थान करेंगे।

प्रधानमंत्री के स्वागत और धर्म-ध्वजा के आयोजन को लेकर अयोध्या में प्रशासनिक और धार्मिक गतिविधियाँ तेज हो गई हैं। शहर के मुख्य मार्ग, मंदिर परिसर और कार्यक्रम स्थलों को सुव्यवस्थित और सुरक्षित बनाने की दिशा में व्यापक तैयारी जारी है।

अत्याधुनिक फॉरेंसिक लैब का उद्घाटन कर बोले सीएम योगी-

वो दौर खत्म, जब पीड़ित तड़पता था, अब अपराधी बच नहीं सकते

कहा- नया उत्तर प्रदेश अपराधियों को स्वीकार नहीं करता, अपराध किया तो कीमत भी चुकानी पड़ेगी

गोरखपुर

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 के बाद का नया उत्तर प्रदेश अपराध को कतई स्वीकार नहीं करता है। यदि किसी ने यहां अपराध करने की जुर्रत की तो उसे हरहाल में उसकी कीमत भी चुकानी होगी। वह दौर खत्म हो गया जब पीड़ित तड़पता, भटकता था और अपराधी मौज-मस्ती करते थे। अब प्रदेश सरकार ने जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत साक्ष्य संकलन और फॉरेंसिक साइंस लैब्स (विधि विज्ञान प्रयोगशाला) के जरिए इसके प्रमाणन की ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित कर दी है कि कोई भी अपराधी बच नहीं पाएगा।

सीएम योगी मंगलवार को बी से ए क्लास में उच्चीकृत क्षेत्रीय विधि विज्ञान प्रयोगशाला (आरएफएसएल) गोरखपुर के नवीन उच्चीकृत भवन के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। छह मंजिला हाईटेक नवीन भवन के निर्माण पर 72.78 करोड़ रुपये की लागत आई है।

उच्चीकृत आरएफएसएल का फीता काटकर उद्घाटन करने और यहां की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। उन्होंने फॉरेंसिक जांच की अत्याधुनिक सौगात के लिए पूर्वी उत्तर प्रदेश की जनता को बधाई देते हुए कहा कि आबादी के लिहाज से देश का सबसे बड़ा राज्य होने के बावजूद 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में सिर्फ चार फॉरेंसिक साइंस लैब थे। सरकार बनने के बाद उन्होंने यह तय किया कि हर कमिश्नरी में एक फॉरेंसिक साइंस लैब होनी चाहिए। इससे आठ वर्षों में इनकी संख्या बढ़कर 12 हो गई है। छह लैब निर्माणाधीन हैं। जल्द ही सभी कमिश्नरी में फॉरेंसिक साइंस लैब होंगे। इन लैब्स में हर प्रकार की फॉरेंसिक जांच होगी जो साक्ष्य को प्रमाणित कर अपराधियों को कठोर दंड दिलाने का आधार बनेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के पहले साक्ष्य इकट्ठे होने पर भी अच्छी फॉरेंसिक साइंस लैब के अभाव में अपराधी बच जाते थे। उन्होंने कहा कि गत वर्ष जुलाई से तीन नए कानून (भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य संहिता 2023) लागू होने के बाद फॉरेंसिक साइंस लैब्स की उपयोगिता और बढ़ गई है। नए कानून में सात वर्ष से अधिक कारावास वाले अपराधों में फॉरेंसिक जांच को अनिवार्य कर दिया है।

फॉरेंसिक साइंस लैब्स से रोजगार का सृजन भी होगा

सीएम योगी ने कहा कि फॉरेंसिक साइंस लैब्स से युवाओं के लिए नए रोजगार का सृजन भी होगा। इसके लिए सरकार ने लखनऊ में यूपी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस की स्थापना की है। यहां लैब टेक्नीशियन के लिए सर्टिफिकेट, लैब में साक्ष्य मिलान करने वालों के लिए डिप्लोमा और विशेषज्ञ के लिए डिग्री कोर्स शुरू किए गए हैं। फॉरेंसिक साइंस लैब्स नए समय में नए अपराधों को रोकने के लिए वैज्ञानिक साक्ष्य उपलब्ध कराने के प्रयासों का हिस्सा हैं। उन्होंने बताया कि अत्याधुनिक यूपी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस में एडवांस डीएनए डायग्नोस्टिक, एआई, ड्रोन, रोबोटिक लैब उपलब्ध है। यहां नैनो से लेकर 40 किलो वजनी ड्रोन संचालित किए जा सकते हैं।

सीएम योगी ने भरा एसआईआर फॉर्म

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार की सुबह गोरखपुर में एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया) प्रक्रिया का फार्म भरा। इसके साथ ही उन्होंने लोगों से अपील की कि सभी नागरिक इस फार्म को जरूर भरें। यह एक नागरिक के रूप में अपनी जिम्मेदारी और लोकतांत्रिक चेतना का उदाहरण प्रस्तुत करने का मौका है। सीएम योगी ने मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर के बैठक कक्ष में मतदाता सूची के एसआईआर का फॉर्म भरा।

योगी आदित्यनाथ गोरखपुर शहर विधानसभा क्षेत्र के झूलेलाल मंदिर के पास स्थित कन्या प्राथमिक विद्यालय मतदान केंद्र के बूथ संख्या 223 में पंजीकृत मतदाता हैं। बता दें कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची को अधिक सटीक, अद्यतन और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक एसआईआर अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को बीएलओ गोरखनाथ मंदिर पहुंचे और मुख्यमंत्री को एसआईआर फॉर्म उपलब्ध कराया, जिसे मुख्यमंत्री ने भरकर उन्हें सौंप दिया।

मॉडर्न पुलिस के लिए गेम चेंजर बनेगी फॉरेंसिक लैब

सीएम योगी ने बताया कि गोरखपुर में अपग्रेडेड फॉरेंसिक साइंस लैब में सभी अत्याधुनिक सुविधाएं होंगी जो सटीक जांच करेंगी। यह लैब मॉडर्न पुलिस के लिए गेम चेंजर साबित होगी। त्वरित और पुख्ता जांच होने से लोगों को समय से सुसंगत न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा कि फॉरेंसिक साइंस लैब अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति का ही हिस्सा हैं। सरकार का लक्ष्य साइबर फॉरेंसिक को वैश्विक मानक तक ले जाने का है।

अवैध अतिक्रमण: दुकानों समेत झुग्गी-झोपड़ियां ध्वस्त की गईं

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में अवैध निर्माण और अतिक्रमण के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को लखनऊ विकास प्राधिकरण ने गोमती नगर विस्तार में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई की है। इस दौरान बड़े स्तर पर सड़क किनारे किए गए अवैध कब्जों को हटाया गया है। अभियान के दौरान एक दर्जन से ज्यादा अवैध डेयरी, झुग्गी-झोपड़ी, अस्थाई दुकानें, कार वर्कशॉप और कबाड़ की दुकानों को ध्वस्त किया गया है।

लखनऊ में एलडीए की बड़ी कार्रवाई

एलडीए के सचिव विवेक श्रीवास्तव के मुताबिक, गोमती नगर विस्तार सेक्टर-1 में ग्वारी फ्लाईओवर के पास खाली जमीन पर कुछ लोगों ने लंबे समय से अनधिकृत कब्जा कर रखा था। यहां डेयरी, झुग्गियां, वर्कशॉप और कबाड़खाने बनाए गए थे। जिनसे क्षेत्र में गंदगी, जलभराव और ट्रैफिक जाम की समस्या पैदा हो रही थी। डेयरी संचालकों द्वारा सर्विस रोड पर लगे बिजली खंभों से पशुओं को बांधने के कारण मार्ग बाधित होता था, जिससे प्रतिदिन राहगीरों को असुविधा का सामना करना पड़ता था।

इन समस्याओं को देखते हुए एलडीए उपाध्यक्ष ने संबंधित अधिकारियों को अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए थे। निर्देशों के अनुपालन में जोन-1 की जोनल अधिकारी संगीता राघव और प्रभारी अधिकारी (अर्जन) विपिन कुमार शिवहरे के नेतृत्व में प्रवर्तन और अर्जन अनुभाग की संयुक्त टीम ने सोमवार को कार्रवाई की है। अभियान के दौरान प्राधिकरण पुलिस बल भी मौजूद रहा था। जिसके सहयोग से सभी अवैध अस्थाई निर्माणों को हटाया गया है।

लखनऊ-कानपुर के मौसम में कोई बदलाव नहीं बढ़ेगी ठंड

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मौसम को लेकर अभी कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है। बीते कई दिनों से मौसम जस का तस बना हुआ है। आने वाले दिनों में भी मौसम के शुष्क बने रहने की संभावना है। हालांकि रात में मौसम पूरी तरह से बदल जा रहा है। कानपुर शहर में सबसे ज्यादा ठंड रात में हो रही है। यहां न्यूनतम तापमान लगातार अपने सामान्य से काफी नीचे लुढ़क गया है। उधर मंगलवार को सुबह के समय कोहरा का असर दिखाई पड़ सकता है। इस दौरान ठीकठाक ठंड भी महसूस हो सकती है, लेकिन धूप निकलने के बाद फिर मौसम सही हो जाएगा।

18 नवंबर को प्रदेश के पश्चिमी और पूर्वी हिस्से में मौसम शुष्क रह सकता है। इस दौरान दोनों हिस्सों में सुबह के समय कहीं-कहीं पर छिछला से मध्यम कोहरा छाने की संभावना जताई गई है। हालांकि इस दौरान प्रदेश में किसी तरह का कोई अलर्ट नहीं जारी किया गया है। 19 और 20 नवंबर को प्रदेश में मौसम पूरी तरह से शुष्क रह सकता है। इसी तरह 21, 22 और 23 नवंबर को भी

प्रदेश में मौसम साफ रह सकता है। 19 नवंबर से लेकर 23 नवंबर तक प्रदेश में कोई अलर्ट नहीं है।

वहीं कानपुर शहर में लगातार न्यूनतम तापमान गिरा हुआ है। अपने सामान्य से 5.4 नीचे लुढ़ककर 8 न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया है। मुजफ्फरनगर और अयोध्या में 8.5 न्यूनतम तापमान रिकॉर्ड किया गया है। इटावा में 8.6 न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया है। इसी तरह बाराबंकी में 9, मेरठ में 9, बुलंदशहर में 9 न्यूनतम तापमान रिकॉर्ड किया गया है। लखनऊ में 12.4 न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया है। मुरादाबाद में सबसे कम 23.5 डिगी अधिकतम तापमान दर्ज किया गया है।